कुलगीत

देशी राग

पल्लवि

हरिताल

तमसो मा ज्योतिर्गमय, जागृयाम पुरोहिताः,
तेजस्वि नावधीतमस्तु, सं वो मनांसि जानताम् । (पल्लवि)

अन्धकार से प्रकाश की ओर, मेरा नेतृत्व करो, अच्छाई के समर्थकों! हम जागें, हम तेज से भरे रहें, हम एक दूसरे के हृदय को जानें!

१. श्रीपतिगिरिपदसन्निधापितं तिरुपतिसंस्कृतविद्यापीठम् ।
सुपरिणतविश्वविद्यालयः पूर्वैः ईड्यः नूतनैरुत ।।

संस्कृत विद्यापीठम, बड़ों द्वारा मनाया जाने वाला उत्कृष्ट विश्वविद्यालय एवं युवाओं द्वारा प्रशंसा, भगवान श्री वेंकटेश्वर, तिरुपति के आवास तिरुमाला हिल्स में स्थित है।

२. राष्ट्रियजनजनलक्ष्यपूरकः ज्ञानं सम्यगवेक्षणम् ।
रत्नधातमव्याकृतिज्योतिषन्यायसाहितीतत्त्वचिन्तनैः ।।

न्याय, ज्योतिष, साहित्य आदि जैसे विचारों के रत्नों में अतुलनीय निवेश करके राष्ट्रवादी उद्देश्यों को पूरा करना, ज्ञान को अच्छी तरह से पोषित करना।

३. छात्रमतीनां पराह्लादकः रामानुजमुखशास्त्रबोधनैः ।
पट्टाभिशास्त्रितः गोपालादिः राजन्ते खलु कुलप्रधानाः ।।

छात्रों (प्रह्लादाचार्य) के मन को बेहद प्रसन्न करने वाले हालांकि रामानुज (तताचार्य) के शास्त्रीय प्रवचन हमारे प्रमुख पुरुषों, पट्टाभिरामशा स्त्री ,गोपाल (स्वामी) से अलंकृत हैं।

४. बालगोकुलात् विद्यावारिधिप्रमाणपत्रं वितरति हे।
संस्कृतिरक्षा संस्कृतशिक्षा इत्यस्माकं ध्येयं भवति ।।

विश्वविद्यालय बालगोकुलम से विद्यावारिधि तक प्रमाणपत्र प्रदान करता है। "भारतीय विरासत का संरक्षण" तथा "संस्कृत ज्ञान का अध्यापन एवं अध्ययन" हमेशा हमारा प्रमुख लक्ष्य होता है!

५.शिष्याः केचित् कुलपतिपथगाः शिक्षाशास्त्रविशारदाः ।
सर्वे संस्कृतभाषायां परस्परं सम्भाषन्ते ।।

कुछ छात्र बने कुलपति, संस्कृत के महान ज्ञाता शिक्षक, सभी एक दूसरे से संस्कृत में बात करते हैं!

६.योगे गणिते सङ्गीते च सङ्गणके बहुशोधसाधने ।
अनुवादे किल क्रीडारङ्गे प्राक्तनविज्ञानदर्शने ।।

योग, गणित, संगीत, कम्प्यूटर एवं अनुसन्धान की अनेक विधियों में तथा अनुवाद एवं खेल-कूद अनेक प्रकार से प्राचीन विज्ञान में परिलक्षित हैं।

७.जनतासमता ममता सह नौ भुनक्तु इति वचनं पथ्यं हे ।
नापि द्वेषः नवानुरागः संगच्छध्वं संवदध्वम् ।।

आत्मीयता एवं समानता दोनों की भावना के साथ, संदेश आगे बढ़ाया जाता है "क्या हम एक साथ संजो सकते हैं"। न द्वेष है, न बड़ी आसक्ति है, अपितु स्नेह से अच्छी तरह से व्यवहार कर सकते हैं, हम अच्छा बोल सकते हैं!